ध्येयIAS®
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

18 November 2024

मणिपुर हिंसा: घाटी क्षेत्रों में AFSPA फिर से लागू

सन्दर्भ: हाल ही में मणिपुर में बढ़ती जातीय हिंसा को देखते हुए गृह मंत्रालय (MHA) ने सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (AFSPA) के अंतर्गत राज्य की घाटी के छह पुलिस थाना क्षेत्रों को पुनः अशांत क्षेत्र घोषित करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय मणिपुर में मैतेई और कुकी-जोमी समुदायों के बीच जारी हिंसक संघर्ष की पृष्ठभूमि में उठाया गया है, जोकि राज्य में पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से व्याप्त अस्थिरता और तनाव की गंभीरता को दर्शाता है।

अफस्पा लागू होने से प्रभावित प्रमुख क्षेत्र:

- मणिपुर के घाटी क्षेत्रों में निम्नलिखित पुलिस स्टेशन क्षेत्रों को पुनः ।थ्ैच। के अंतर्गत लाया गया है:
  - सेक्माई (इम्फाल पश्चिम)
  - लामसांग (इम्फाल पश्चिम)
  - लामलाई (इम्फाल पूर्व)
  - मोइरांग (बिष्णुपुर)
  - लेइमाखोंग (कांगपोकपी)
  - जिरीबाम (जिरीबाम जिला)
- ये क्षेत्र प्रारंभ में 2022-2023 में AFSPA से क्रमिक वापसी की प्रक्रिया का हिस्सा थे। हाल की हिंसा और तनाव ने इस कानून को पुनः लागू करने की आवश्यकता को प्रेरित किया है।

AFSPA को पुनः लागू करने कारण:

- गृह मंत्रालय ने इन क्षेत्रों में AFSPA को पुनः लागू करने के कई कारण बताए हैं:
  - **हिंसक झड़पें:** प्रभावित क्षेत्रों में विद्रोही समूहों द्वारा गोलीबारी की घटनाएं, हिंसक झड़पें और हमले लगातार होते रहे हैं।
  - **विद्रोही गतिविधियां:** विद्रोही समूहों ने कथित तौर पर हिंसा को अंजाम देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें बम विस्फोट, सशस्त्र हमले और सुरक्षा बलों और नागरिकों के खिलाफ घात लगाना शामिल है।
  - **उच्च तनाव वाले जिले:** बिष्णुपुर-चुराचांदपुर, इम्फाल पूर्व-कांगपोकपी-इम्फाल पश्चिम और जिरीबाम क्षेत्र विशेष रूप से अस्थिर बने हुए हैं, जहां जातीय हिंसा जारी रहने से असुरक्षा की स्थिति बढ़ रही है।

अफस्पा के निहितार्थ और अशांत क्षेत्र का दर्जा:

- सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (AFSPA) भारतीय सशस्त्र बलों को अशांत क्षेत्रों में व्यापक शक्तियां प्रदान करता है:
  - **अभियोजन से उन्मुक्ति:** सैन्य कर्मियों को अभियोजन से उन्मुक्ति प्रदान की जाती है, जब तक कि केंद्र सरकार द्वारा प्राधिकृत न किया जाए।
  - **गिरफ्तारी और तलाशी की शक्तियां:** सुरक्षा बल बिना वारंट के व्यक्तियों को गिरफ्तार कर सकते हैं और कानूनी औपचारिकताओं के बिना परिसर की तलाशी ले सकते हैं।
  - **घातक बल का प्रयोग:** AFSPA कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए घातक बल के प्रयोग को अधिकृत करता है, जिसमें संदिग्ध विद्रोहियों या सुरक्षा के लिए खतरा माने जाने वाले लोगों पर गोली चलाना भी शामिल है।

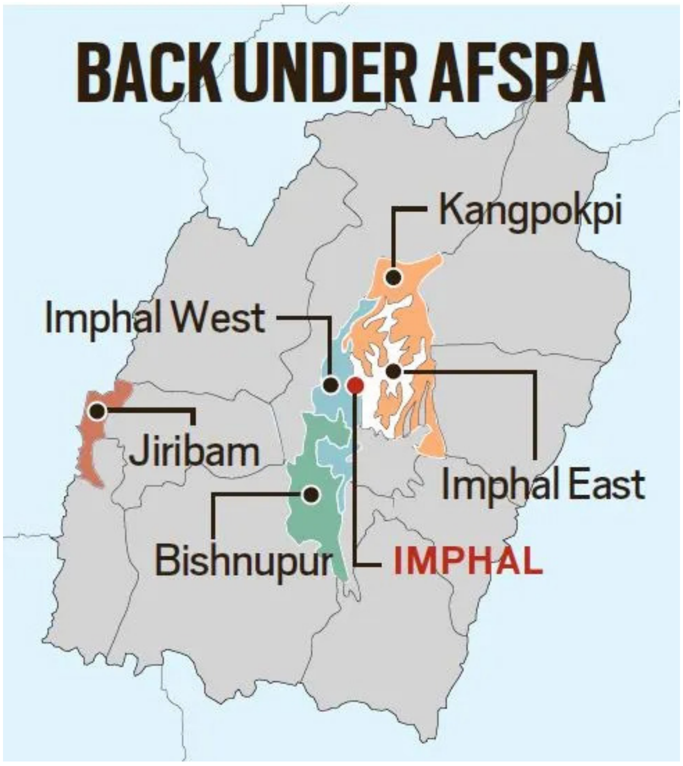

अवधि:

- अशांत क्षेत्र का दर्जा छह महीने के लिए वैध होता है और इसे सुरक्षा समीक्षा के आधार पर बढ़ाया जा सकता है। मणिपुर में अफस्पा (AFSPA) 1980 से लागू है और 2022-2023 में इसे हटाने की प्रक्रिया को बेहतर सुरक्षा स्थिति का संकेत माना गया था। हालांकि, हालिया जातीय हिंसा के कारण इसे पुनः लागू करना आवश्यक हो गया है।

भारत और रूस के मध्य वायु रक्षा समझौता

संदर्भ: हाल ही में वायु रक्षा प्रौद्योगिकी पर केंद्रित समझौता ज्ञापन

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

(एमओयू) पर हस्ताक्षर करके भारत और रूस ने अपने रक्षा सहयोग में वृद्धि की है। यह समझौता भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) और रूस की रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के मध्य औपचारिक रूप से हुआ।

समझौते की मुख्य विशेषताएँ:

- **पैंटिर प्रणाली के सह-विकास के लिए समझौता ज्ञापन:**
  - » भारत की रक्षा आवश्यकताओं के अनुरूप पैंटिर-संस्करण वायु रक्षा प्रणाली के सह-विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
  - » पैंटिर प्रणाली एक हाइब्रिड प्लेटफॉर्म है, जोकि विभिन्न हवाई खतरों का मुकाबला करने के लिए मिसाइलों और तोपों का संयोजन करती है।
  - » यह प्रणाली 15 किलोमीटर तक की प्रभावी रेंज प्रदान करती है, जिससे यह मिसाइलों, विमानों, ड्रोन और अन्य हवाई खतरों को नष्ट करने के लिए महत्वपूर्ण हो जाती है।
- **भारत के लिए सामरिक महत्व:**
  - » यह समझौता भारत की रक्षा क्षेत्र को आधुनिक बनाने, उन्नत खतरों का मुकाबला करने में आत्मनिर्भरता और क्षमता में सुधार करने में मदद करेगा।
  - » यह समझौता ज्ञापन रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता मे वृद्धि करता है, साथ ही प्रमुख रक्षा साझेदार रूस के साथ भारत के रिश्तों को भी मजबूत करता है।

भारत और रूस के बीच सामरिक रक्षा साझेदारी:

- यह कदम दीर्घकालिक रणनीतिक रक्षा साझेदारी का हिस्सा है, जोकि दशकों से चली आ रही है और इसमें मिसाइलों, नौसैनिक प्लेटफार्मों और वायु रक्षा प्रणालियों में संयुक्त परियोजनाएँ शामिल हैं।
- दोनों देश विभिन्न सैन्य प्रौद्योगिकियों पर आपसी विश्वास और सहयोग साझा करते हैं और रूस भारत के प्रमुख रक्षा साझेदारों में से एक रहा है।

आत्मनिर्भरता पर बल:

- भारत 'मेक इन इंडिया' पहल के साथ जुड़कर रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।
- यह समझौता ज्ञापन, मजबूत अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियाँ बनाए रखते हुए स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमताओं को आगे बढ़ाने के भारत के प्रयासों को रेखांकित करता है।

हिंद–प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक स्थिति:

- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच, भारत की सैन्य और रणनीतिक साझेदारियाँ राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता में अपनी भूमिका बनाये रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति के रूप में, भारत की मजबूत रक्षा क्षमताएँ वैश्विक सुरक्षा चर्चाओं में अधिक प्रभावी तरीके से भाग लेने में सक्षम बनाती हैं।

उच्च शिक्षा में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए PAIR कार्यक्रम

सन्दर्भ: हाल ही में भारत सरकार ने अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) के माध्यम से देश भर में अनुसंधान-संचालित उच्च शिक्षा को बढ़ाने के लिए 'त्वरित नवाचार और अनुसंधान के लिए साझेदारी' (PAIR) कार्यक्रम शुरू किया है।

PAIR कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य:

- **अनुसंधान उत्कृष्टता को बढ़ाना**
  - » केंद्रीय और राज्य सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में अनुसंधान उत्कृष्टता की संस्कृति विकसित करना।
  - » पूरे भारत में शैक्षणिक अनुसंधान की समग्र गुणवत्ता में सुधार करना।
- **सहयोगात्मक साझेदारी को बढ़ावा देना**
  - » विभिन्न अनुसंधान क्षमताओं वाले संस्थानों के बीच के अंतर को कम करना।
  - » मार्गदर्शन और ज्ञान के आदान-प्रदान के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देने के लिए उभरते विश्वविद्यालयों को शीर्ष स्तरीय संस्थानों के साथ जोड़ना।
- **अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन**
  - » अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाना, विशेष रूप से नए बुनियादी ढांचे वाले विश्वविद्यालयों में।
  - » भारत में एक मजबूत और गतिशील अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना।

PAIR कार्यक्रम की कार्यप्रणाली:

पीएआईआर कार्यक्रम हब-एंड-स्पोक मॉडल का अनुसरण करता है:

- **हब संस्थान:**
  - » ये भारत में शीर्ष रैंक वाले विश्वविद्यालय हैं, जैसे शीर्ष 25 एनआईआरएफ-रैंक वाले संस्थान और राष्ट्रीय महत्व के संस्थान (आईएनआई)।
  - » यह केंद्र के रूप में काम करेंगे और मजबूत अनुसंधान बुनियादी ढांचे और विशेषज्ञता के साथ सहयोग करेंगे।
- **स्पोक संस्थान:**
  - » स्पोक संस्थानों में बढ़ती अनुसंधान क्षमताओं वाले केंद्रीय और राज्य सार्वजनिक विश्वविद्यालय, साथ ही चुनिंदा एनआईटी और आईआईआईटी शामिल हैं।
  - » इन संस्थानों में अनुसंधान के बुनियादी ढांचे का स्तर हब के समान नहीं हो सकता है, लेकिन वे अनुसंधान में वृद्धि के लिए तैयार हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- **मार्गदर्शन और ज्ञान का आदान-प्रदान**
  - » इस कार्यक्रम के तहत अनुसंधान गतिविधियों पर मार्गदर्शन और सलाह प्रदान की जायेगी, साथ ही शीर्ष स्तरीय संकाय और शोध कर्ताओं से संसाधनों और विशेषज्ञता तक पहुंच प्रदान करेंगे।
  - » बहु-विभागीय संकाय सहयोग से लाभ मिलेगा, जिससे अंतः विषयक अनुसंधान को प्रोत्साहन मिलेगा।

- **सहयोग मॉडल**
  - » प्रत्येक PAIR नेटवर्क में एक हब और अधिकतम सात स्पोक संस्थान शामिल होंगे।
  - » प्रत्येक हब संस्थान से केवल एक प्रस्ताव की अनुमति दी जाएगी, जिसमें स्पोक संस्थानों की बहु-विभागीय संकाय टीमों की अनिवार्य भागीदारी होगी।

PAIR कार्यक्रम के लाभः

- मार्गदर्शन-संचालित दृष्टिकोण स्पोक संस्थानों में नवाचार को बढ़ावा देगा तथा हब संस्थानों के संसाधनों और विशेषज्ञता का लाभ उठाएगा।
- इससे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और वैश्विक प्रभाव वाले नए शोध परिणाम सामने आएंगे।
- सहयोग को बढ़ावा देकर, पीएआईआर कार्यक्रम भारत में एक मजबूत अनुसंधान नेटवर्क बनाने में मदद करेगा, अंतर-संस्थागत साझेदारी को प्रोत्साहित करेगा और सर्वोत्तम प्रथाओं और उन्नत बुनियादी ढांचे को साझा करेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के साथ संरेखणः

- पीएआईआर कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है, जिसका उद्देश्य भारत में अधिक शोध-उन्मुख, नवीन और सहयोगात्मक शिक्षा प्रणाली बनाना है।
  - » **विश्वविद्यालयों में अनुसंधान को बढ़ावा देनाः** एनईपी उच्च शिक्षा में शोध संस्कृति के निर्माण को प्रोत्साहित करता है। पीएआईआर कार्यक्रम विश्वविद्यालयों में शोध उत्कृष्टता को बढ़ाकर इसका समर्थन करता है।
  - » **सहयोगात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करनाः** एनईपी अधिक ज्ञान-संचालित पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए अंतर-संस्थागत सहयोग के महत्व पर जोर देता है। पीएआईआर कार्यक्रम का हब-एंड-स्पोक मॉडल इस दृष्टिकोण की व्यावहारिक अभिव्यक्ति है।

पॉवर पैक्ड न्यूज

भारतीय नौसेना तटीय रक्षा अभ्यास 'सी विजिल-24' का चौथा संस्करण आयोजित करेगी

- हाल ही में भारतीय नौसेना अखिल भारतीय तटीय रक्षा अभ्यास, सी विजिल-24 के चौथे संस्करण का आयोजन करेगी। इस बड़े पैमाने के अभ्यास में छह मंत्रालय और 21 संगठन शामिल हैं, जोकि भारत के 11,098 किलोमीटर के समुद्र तट और 2.4 मिलियन वर्ग किलोमीटर के विशेष आर्थिक क्षेत्र को कवर करते हैं।
- पहली बार, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय के अधिकारी तटीय रक्षा एवं सुरक्षा तत्परता मूल्यांकन (सीडीएसआरई) चरण में शामिल होंगे, जोकि अक्टूबर 2024 से चल रहा है, साथ ही राज्य समुद्री पुलिस, तटरक्षक बल, सीमा शुल्क और मत्स्य विभाग के कर्मचारी भी इसमें शामिल होंगे।
- इस अभ्यास का उद्देश्य तटीय परिसंपत्तियों जैसे बंदरगाहों, तेल रिगों और सिंगल प्वाइंट मूरिंग की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करना है, साथ ही तटीय समुदायों के बीच समुद्री सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाना भी है।

सी विजिल के बारे में:

- 26/11 के हमलों के बाद तटीय सुरक्षा को बढ़ाने के लिए 2018 में शुरू किया गया, सी विजिल समुद्री एजेंसियों की तत्परता का आकलन करता है, अंतराल की पहचान करता है और समग्र तटीय सुरक्षा में सुधार करता है। यह थिएटर लेवल ऑपरेशनल रेडिनेस एक्सरसाइज (ट्रोपेक्स) के अग्रदूत

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

के रूप में भी कार्य करता है, जोकि भारत की समुद्री रक्षा को और मजबूत करता है।

स्वच्छ गंगा मिशन के तहत विशेष डॉल्फिन एम्बुलेंस शुरू की जाएगी

- गंगा की सफाई और पुनरुद्धार के लिए शीर्ष निकाय, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) घायल जलीय जानवरों को बचाने के लिए एक विशेष डॉल्फिन एम्बुलेंस शुरू करने की तैयारी में है।
- यह पहल नदी की जैव विविधता को संरक्षित करने के प्रयासों का हिस्सा है, जिसमें लुप्तप्राय गंगा नदी डॉल्फिन, जोकि भारत के राष्ट्रीय जलीय जीव के रूप में मानी जाती हैं, पर ध्यान केंद्रित किया गया है। ये डॉल्फिन न केवल गंगा नदी प्रणाली में, बल्कि बांग्लादेश और नेपाल की नदी प्रणालियों में भी पाई जाती हैं।
- गंगा नदी डॉल्फिन के संरक्षण के लिए बचाव प्रणाली को के तहत एक समर्पित वाहन विकसित किया जाएगा, जिसे 1 करोड़ के अनुमानित बजट के साथ मंजूरी दी गई है।
- इस परियोजना का उद्देश्य संकटग्रस्त डॉल्फिनों को बचाकर संरक्षण प्रयासों को बढ़ाना, जन जागरूकता बढ़ाना तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से सामुदायिक क्षमता का निर्माण करना है। डॉल्फिन संरक्षण के अतिरिक्त, एनएमसीजी ने गंगा बेसिन, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में, लुप्तप्राय कछुओं के संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना को मंजूरी दी है।

हैदराबाद हवाई अड्डे को डिजिटल नवाचारों के लिए वैश्विक मान्यता प्राप्त हुई

- सऊदी एयरपोर्ट प्रदर्शनी 2024 के दौरान एयरपोर्ट एक्सीलेंस अवाड्र्स में डिजिटल नवाचार में प्रगति के लिए हैदराबाद हवाई अड्डे को सम्मानित किया गया। रियाद अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी केन्द्र (आरआईसीईसी) में आयोजित पुरस्कार समारोह में विमानन क्षेत्र में अग्रणी वैश्विक नवाचारों को मान्यता दी गई।
- हैदराबाद हवाई अड्डे के डिजिटल ट्विन ने इनोवेशन और टेक्नोलॉजी तथा सुविधा प्रबंधन श्रेणियों में प्रशंसा प्राप्त की। यह उन्नत मॉडल सीसीटीवी, सेंसर और आईओटी उपकरणों से वास्तविक समय के डेटा को एकीकृत करते हुए भौतिक हवाई अड्डे की एक आभासी प्रतिकृति बनाता है।
- यह हवाई अड्डे के परिचालन का एक व्यापक, डेटा-संचालित दृश्य प्रदान करता है, जिससे टर्मिनल की कार्यक्षमता, यात्री प्रवाह और संसाधनों का कुशल प्रबंधन संभव हो पाता है।
- इसके अतिरिक्त, हैदराबाद हवाई अड्डे के स्मार्ट शॉपिंग ट्रॉली नवाचार को हवाई अड्डा राजस्व प्रबंधन श्रेणी में उपविजेता के रूप में मान्यता दी गई।
- यह पुरस्कार विमानन उद्योग की गतिशील मांगों को पूरा करने के लिए अभिनव समाधान अपनाने में ग्लोबल लीडर के रूप में हैदराबाद हवाई अड्डे की स्थिति की पुष्टि करते हैं, तथा हवाई यात्रा के लिए एक अधिक स्मार्ट, अधिक टिकाऊ भविष्य में योगदान करते हैं।

एशिया का सबसे बड़ा ओपन-एयर व्यापार मेला 'बाली जात्रा' ओडिशा में शुरू

- ओडिशा में एशिया का सबसे बड़ा ओपन-एयर व्यापार मेला बाली जात्रा शुरू हो गया है, जोकि इस क्षेत्र के समृद्ध समुद्री इतिहास का प्रतीक है। यह मेला कार्तिक पूर्णिमा के दिन शुरू हुआ और 22 नवंबर को समाप्त होगा।
- यह ओडिशा की प्राचीन समुद्री व्यापार परंपरा का स्मरण कराता है, जहां 'सदाबा' के नाम से जाने जाने वाले व्यापारी कार्तिक मास के दौरान महानदी नदी से दूर देशों तक बोइटास नामक नौकाओं में समुद्री यात्राएं करते थे।
- यह त्यौहार न केवल समुद्री व्यापार के साथ ओडिशा के ऐतिहासिक संबंधों का जश्न मनाता है, बल्कि इसकी सांस्कृतिक विरासत को भी दर्शाता है। ओडिशा और अन्य भारतीय राज्यों के विभिन्न सांस्कृतिक समूह

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

ओडिसी, छऊ, महारी, गोटीपुआ और बिहू सहित पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत करते हैं, जो इस कार्यक्रम में जीवंतता जोड़ते हैं।

- बाली जात्रा देशभर से और विदेशों से भी पर्यटकों को आकर्षित करती है, जोकि ओडिशा की समृद्ध विरासत, शिल्प और पारंपरिक व्यंजनों का एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करती है। यह व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है, जोकि लोगों को राज्य के गौरवमयी अतीत से जोड़ती है।